55 कैनक्री ई-एक्सोप्लैनेट का वायुमंडल

स्रोत: टाइम्स ऑफ इंडिया

वैज्ञानिकों ने हाल ही में **55 कैनक्री ई में सघन वायुमंडल को** खोजा है, जो पृथ्वी से दोगुने आकार की सुपर-अर्थ है, इसकी अनूठी विशेषताएँ और एक्सोप्लेनेटरी अनुसंधान के लिये संभावित प्रभावों पर प्रकाश डालती हैं।

- 55 कैनक्री ई का वायुमंडल कार्बन डाइऑक्साइड और कार्बन मोनोऑक्साइड से मिलकर बना है, हालाँकि इनकी सटीक मात्रा अभी स्पष्ट नहीं है।
  - 55 कैनक्री ई का वायुमंडल पृथ्वी के वायुमंडल के विपरीत है तथा नाइट्रोजन, ऑक्सीजन, आर्गन और अन्य गैसों के मिश्रण से बना है।
- हम जानते हैं **55 कैनरी ई का क्वथनांक 2,300 डिग्री सेल्सियस तक पहुँच जाता है,** जिस कारण यह जीवन के लिये प्रतिकूल है।
  - अपनी **निर्जन परिस्थितियों** के बावजूद, यह खोज घने वायुमंडल वाले अन्य चट्टानी ग्रहों को खोजने की उम्मीद प्रदान करती है जो जीवन के लिये अधिक अनुकूल हो सकते हैं।
- **55 कैनक्री ई एक एक्सोप्लैनेट है,** जो 41 प्रकाश वर्ष दूर स्थित है तथा इसका द्रव्यमान**पृथ्वी से** आठ **गुना अधिक है तथा इसकी विशेषता स्थायी रूप से दिन व रात का होना है।**
  - यह एक सुपर-अर्थ है, जो ग्रहों का एक दुर्लभ वर्ग है तथा**पृथ्वी से बड़ा है लेकिन नेपच्यून और यूरेनस जैसे बर्फीले ग्रहों की तुलना में छोटा है।**
  - वे गैस, चट्टान या दोनों के संयोजन से बने हो सकते हैं तथा इनका पृथ्वी के द्रव्यमान से दो से दस गुना के तक हो सकता हैं।
- निष्कर्षों से संकेत मिलता है कि **ग्रह की सतह पर मैग्मा महासागरों से उत्सर्जित होने वाली गैसें इसके वायुमंडल** को बनाए रखने में **सहायता कर** सकती हैं।
- **55 कैनक्री ई की** खोज से **पृथ्वी और मंगल ग्रह की विकासवादी प्रक्रियाओं** के बारे में जानकारी मिल सकती है।

और पढ़ें: नयु सुपर-अर्थ प्लेनेट

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/atmosphere-of-a-55-cancri-e-exoplanet